

30-5-18  
 ली ल  
 गुणा  
 रामने  
 20 लाख  
 गिणे

पनावमी राजपुत्र लोक गुणा गुणा  
 गोदरी हेचें मद्रुपी उपस्थिपसमान को  
 गुणा गुणा / पनावमी एवं पनावमी अउपमस्य  
 सिंढी का अवमोक्त किंवा गुण / गुण गुणिका-पुत्र  
 अन्वय निवेद्यता ते लोकादिह मूल वाद  
 गुणा गुण एवं लोकादिहेद्य तासै लोकादिह  
 हे। मूल वाद के निवारण एक राजपुत्र  
 सिंढी एवं गोदरी ही अन्वयिणी बनये  
 राजपुत्र उगपपयो को अन्वयिनिवेद्यता  
 हे प्रीति निवेद्य निवारण तासै लोकादिहेद्य का  
 अर्थ: गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा  
 गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा  
 के निवारण एक गुण अन्वय हे प्रीति  
 निवेद्य किंवा लोकादिहेद्य कि गुण गुणा गुणा  
 सिंढी वनन. 239, 263, 266, 267, गुणा गुणा 282, 358,  
 395 ते 397, 399 एवं 400 गुण किंवा 25 गुण गुणा  
 1367 हे. गुणा के राजपुत्र सिंढी एवं गोदरी यथा-  
 सिंढी वनये रवे। प्रकरण गुणा गुणा गुणा गुणा  
 गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा  
 लोकादिहेद्य एवं गुणा गुणा के गुणा गुणा गुणा  
 निवेद्य गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा  
 गोदरी के गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा गुणा  
 गुणा गुणा गुणा

37-A  
 गोपाल

*(Signature)*  
 राजपुत्र गुणा गुणा  
 गुणा